भीखा साउब की बानी

और

जीवन-चरित्र

जिस में

उन महातमा के अति मने।हर भजन, ककहरा, अलिफ़-नामा, पहाड़ा, कुंडलिया और साखी शोध कर मुख्य मुख्य अंगोँ मेँ यथाक्रम रक्वी गई हैँ और गूढ़ शब्दोँ के अर्थ व संकेत भी नोट मैँ लिख दिये गये हैँ।

कोई साहिय विना इजाज़त के इस पुस्तक की नहीँ छाप सकते]

All Rights Reserved.

इलाहाबाद

बेलवेडियर स्टीम प्रिंटिंग वर्कस से प्रकाशित तथा उक्त प्रेस में मिस्टर ई॰ हाल द्वारा मुद्रित सन् १८१८

[दाम 🗐